डिजीटल पत्र

दैनिक

कांग्रेस दर्पण

पटना, 25 जून, मंगलवार, 2024

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना-10

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है : राहुल गांधी

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन पर कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं कांग्रेस की तरफ से पीएम मोदी पर पलटवार किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि , संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की। जबकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम के पास बोलने के लिए कुछ भी नया नहीं था और हमेशा की तरह उन्होंने अपने संबोधन मुद्दों को भटकाने का प्रयास किया है।

रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है और वो हम नहीं होने देंगे इसलिए हमने शपथ लेते समय संविधान पकड़ा था। हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की। इसलिए आज हम यहां एकत्रित होकर उसका विरोध कर रहे हैं। यहां पर गांधी जी की प्रतिमा थी और हम यहीं पर विरोध कर रहे हैं। हर लोकतांत्रिक नियमों को तोड़ा जा रहा है इसलिए हम बता रहे हैं कि मोदी जी आज संविधान के तहत चलिए

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आगे कहा कि शायद प्रधानमंत्री को देखकर ऐसा लगा कि वो

जनता के फैसले का सही मतलब समझ नहीं सके हैं। उन्होंने कहा कि गैर-जैविक प्रधानमंत्री को लोकसभा चुनावों में व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक रूप से करारी हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने संसद के बाहर अपना हमेशा की तरह 'देश के नाम संदेश' दिया है, जबकि 18वीं लोकसभा अपना कार्यकाल शुरू करने की तैयारी कर रही है।

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा कि उन्होंने कुछ भी नया नहीं कहा और हमेशा की तरह मुद्दों को भटकाने की कोशिश की। उन्होंने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया है कि वे जनता के फैसले का सही मतलब समझते हैं, जिसके कारण उन्हें वाराणसी में केवल एक मामूली जीत मिली। जयराम रमेश ने ये भी कहा, प्रधानमंत्री किसी भी संदेह में न रहे, इंडिया का जनबंधन उन्हें हर मिनट के लिए जवाबदेह ठहराएगा। वे पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं।

वायनाड की जनता के नाम राहुल गांधी का भावुक संदेश

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने वायनाड और रायबरेली ने चुनाव लड़ा और जीता था। इसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने फैसला लिया था कि राहुल वायना़ सीट छोड़ेंगे और इस सीट से उनकी बहन प्रिंयका गांधी को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा। अब राहुल गांधी ने वायनाड की जनता के लिए एक भावुक संदेश लिखा है। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में वायनाड की जनता को अपार समर्थन के लिए धन्यवाद कहा है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में लिखा कि वे दुखी हैं लेकिन संतुष्ट भी हैं क्योंकि उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रियंका गांधी संसद में वायनाड का प्रतिनिधित्व करेंगीं।

राहुल गांधी ने लिखा मै पांच वर्ष पहले आप लोगों से मिला। पहली बार जब मैं आप लोगों के बीच पहुंचा और आपसे समर्थन मांगा। मैं आप सभी के लिए अनजान था और उसके बाद भी आप लोगों ने मुझ पर

भरोसा जताया। आप लोगों ने मुझे गले लगाकर मुझे प्यार और स्नेह दिया। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस जाति, किस समुदाय से हैं या आप कौन सी भाषा बोलते हैं। जब मुझे प्रतिदिन अपशब्दों का सामना करना पड़ा, उस दौरान आपके सभी के प्यार मेरी ढाल बना। आप लोग मेरा घर, मेरा परिवार रहे। मुझे कभी भी यह महसूस नहीं हुआ कि आप लोगों ने मुझ पर शक किया हो।

मुझे आप लोगों के साथ गले मिलना याद रहेगा— राहुल गांधी: केरल में आई बाढ़ को याद करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा 'बाढ़ के दौरान मैंने जो देखा, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। उस दौरान एक के कई परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया था। उन्होंने आगे लिखा 'मुझे आपके द्वारा दिए गए अनगिनत फूल हमेशआ याद रहेंगे। आप लोगों का मुझसे गले मिलना याद रहेगा। संसद में आपकी आवाज़ बनना वास्तव में खुशी और सम्मान की बात थी। वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने पर मुझे दुख है, लेकिन मुझे सांत्वना भी है क्योंकि मेरी बहन प्रियंका आपका प्रतिनिधित्व करने के लिए मौजूद होंगी। अगर आप उन्हें मौके दें तो मुझे विश्वास है कि वह आपकी सांसद बनकर अच्छे काम करेंगी। मुझे इस बात की भी सांत्वना है कि रायबरेली के लोगों बीच मेरा एक प्यारा परिवार है। आपके और रायबरेली के लोगों दोनों के लिए मेरी प्रतिबद्धता है कि हम नफरत और हिंसा के खिलाफ मजबूती से लड़ेंगे।'

जल संरक्षण को लेकर वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं द्वारा 01 जूलाई को समाहरणालय के समक्ष धरना–प्रदर्शन

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

वरिष्ठ जिला कांग्रेस जहानाबाद के तत्वावधान में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष हरिनारायण द्विवेदी ने प्रोफेसर कॉलोनी में किया।

इस खास बैठक में उपस्थित जिलें के तमाम प्रखंड अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष व वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान चार महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।

नेताओं ने सर्वसम्मति से जिले के सभी प्रखंडों में क्रमवार जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर समस्याओं का उजागर करते हुए उसके उन्मूलन हेतु कार्यक्रम करने की रणनीति बनाया है इसके लिए जरूरत पड़ने पर जन आंदोलन व धरना प्रदर्शन करने की बात कही गई। वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लाए गए सात निश्चय योजना में शामिल हर घर नल जल योजना को विफल बताते हुए कहा कि इस योजना का दुरगामी दुष्प्रभाव यह हो रहा की आने वाले दिनों में स्वच्छ पेयजल की घोर अभाव होने वाला है क्योंकि सभी जगह पाइप फटता जा रहा है और नल की टोंटी नही लगे रहने के कारण जबरदस्त जल क्षरण हो रहा है जिससे पानी का लेयर समाप्त होते जा रहा है। यह आने वाले पीढ़ी के लिए पानी का घोर समस्या होगी। इस समस्या को लेकर वरिष्ठ कांग्रेसी दिनांक 01 जुलाई 2024 दिन सोमवार को जिला समाहरणालय के समक्ष धरना–प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। उपस्थित लोगों ने जिला कांग्रेस कमिटी के वर्तमान अध्यक्ष गोपाल शर्मा के रवैए से काफी क्षुब्ध

थे जिन्होंने कांग्रेस पार्टी के नियम के विरुद्ध निर्वाचित प्रखंड अध्यक्षों को अवहेलना कर मनमाने तरीके से नये प्रखंड अध्यक्षों का नाम सभी जगह प्रकाशित किया जा रहा है यह एआईसीसी और बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नियमों का घोर उलंघन है। वहीं जिला अध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ नेताओं और सम्मानित कार्यकर्ताओं को लगातार उपेक्षित करना शामिल है जिसकी लिखित शिकायत प्रदेश अध्यक्ष और अनुशासन समिति को भेजा जा रहा है। इस बैठक में उपस्थित नेताओं ने इंडिया महागठबंधन के जीते हुए सभी सांसदों को हार्दिक बधाई दी। मौके पर उपस्थित जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष हरिनारायण द्विवेदी, अशोक प्रियदर्शी, चन्द्रीका प्रसाद मण्डल, प्रो संजीव कुमार, सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरान हुसैन, प्रेम कुमार, सरवर सलीम, सुरेश चौधरी, रामचन्द्र साव सोनी, सुबोध शर्मा, रामप्रवेश ठाकुर, विकास कुमार, नागेन्द्र चन्द्रवंशी, हेमन्त कुमार, शशिकांत शर्मा, आबिद मजिद इराकी, कैलाश कुमार, गोपाल कुमार एवं चितरंजन कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित हुए।

कांग्रेस सेवा दल ने सदस्यता अभियान को और तेजी से बढ़ाने का काम किया

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

आज दिनांक 24 जून 2024 को बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल कार्यालय सदाकत आश्रम में सदस्यता अभियान के तहत प्रदेश कार्यकारी मुख्य संगठक प्रो० डॉ० संजय कुमार, उपाध्यक्ष मो० अहमद राजा खान प्रदेश महासचिव आशुतोष रंजन, सुनील कुमार सुमन, प्रदेश सचिव सुकेश कुमार सह पटना प्रभारी कार्यालय मंत्री विपिन झा एवं गुलशन कुमार की उपस्थिति में आज बिदुपुर से दो कर्मठ कार्यकर्ता गुड्डू कुमार एवं धर्मेंद्र कुमार राम ने सदस्यता ग्रहण किया सेवा दल परिवार इन दोनों की उज्जवल भविष्य की कामना करता है 2025 विधानसभा चुनाव को देखते हुए सेवा दल ने सदस्यता अभियान को और तेजी से बढ़ाने का काम किया है।

फीता काटने वाले नहीं आधारशिला रखने वाली सरकार की आवश्यकता : शशांक

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

भारतीय युवा कांग्रेस बिहार प्रदेश इकाई के प्रवक्ता श्री शशांक रंजन उर्फ मोनू प्रसाद महतो जी ने बीते दिन विश्व विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय के जीणोद्धार को लेकर नूतन भवन के माननीय प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी के द्वारा किए गए लोकार्पण को लेकर भारतीय जनता पार्टी सोशल मीडिया द्वारा फैलाई जा रहे हैं भ्रम की मोदी जी ने मंदिर के जगह मंदिर वह विश्वविद्यालय के जगह विश्वविद्यालय देने का कार्य किया के बीच ब्यान प्रेषित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास मुद्दों का प्रारंभ कल से ही अभाव रहा है और स्वतंत्रता के पश्चात लगभग बाइस वर्षों यथा मोरारजी देसाई चौधरी चरण सिंह विश्वनाथ प्रताप सिंह अटल बिहारी वाजपेई जी और अब नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी के शासन सहित जनादेश को पाकर भी जनता से अपनी उपलब्धियां को बताने के बजाय कांग्रेस के द्वारा किए गए कार्यों को अपने नाम करने की साजिश रच कर सत्तासीन होने में कामयाब हो रहे हैं।

बताते चलें की प्रवक्ता श्री महतो जी ने कहा कि

जब परम श्रद्धेय श्रीमान अटल बिहारी वाजपेई जी प्रधानमंत्री थे तब कद्दावर नेता भारतीय जनता पार्टी तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन जी महोदय ने लोकसभा में यह कहते हुए कांग्रेस पार्टी को घेरने का कार्य किया था कि कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार नहीं कर सकती है कि जब केन्द्र में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी भारत के प्रधानमंत्री थे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत जी थे तब बावड़ी के ढांचे को राम जन्मभूमि करार देने का काम किया गया जिससे कांग्रेस पार्टी इनकार नहीं कर सकती है। विदित हो कि राम जन्मभूमि का ताला देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री रहे श्रीमान राजीव गांधी जी के दृढ़इक्षा शक्ति से खोला गया था। अब ध्यातव्य है कि श्री राम मंदिर पूर्ण रूपेण कांग्रेस का दिया हुआ है जबकि सर्वव्याप्त है कि कांग्रेस ने ही आजादी के तुरंत बाद मोहम्मद गौरी के लूट से बर्बाद सोमनाथ के मंदिर को बनवाकर हिंदुओं के लिए देश को समर्पित किया। अभी कुछ दिन पूर्व प्रधानमंत्री जी द्वारा लोकार्पित विश्व का सबसे प्राचीनतम शैक्षणिक संस्थानों में से एक जिससे भारत भूमि की पहचान थी और बिहार को शिक्षा का केंद्र माना जाता था जिस कि एक इखितयारबिन भी बिख्तियार खिलजी ने ध्वस्त कर दिया था उसे नालंदा विश्वविद्यालय के नवीन भवन के लोकार्पण एक प्रकार से भारतीय जनता पार्टी के लिए औपचारिकता मात्र है। यह भारतीय जनता पार्टी का नहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उपलब्धि है कि कांग्रेस पार्टी ने भारत की खोई प्रतिष्ठा को लौटाने के लिए वर्ष 2010 में नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम को भारतीय संसद में लाकर जीणोद्धार की दिशा में कदम बढ़ाया। वर्ष 2014 में शैक्षणिक गतिविधि को प्रारंभ करते हुए नालंदा विश्वविद्यालय का सफल शुभारंभ किया गया। समस्त गतिविधियां पूर्वनियोजित थे जिसका श्रेय संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार के कांग्रेसी प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी को जाता है। अभी हाल में भवन का उद्घाटन करने मात्र से नालंदा विश्वविद्यालय का श्रेय लेने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को यह बताना चाहिए कि ऐसे कितने मंदिर या विश्वविद्यालय देश को भारतीय जनता पार्टी ने पूर्ण रूप से अपने नीतियों के तहत समर्पित किया है। प्रवक्ता श्रीरंजन ने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी दस वर्षों के शासन को पूरा करके भी आज तक देश की जनता को अपनी उपलब्धि बता कर वोट मांगने के बजाय कांग्रेस की कमियों को निकाल कर अथवा कांग्रेस की उपलब्धियां को अपने नाम करके जनता के बीच जाने में ज्यादा रुचि ले रही है। आज समय आ गया है कि देश की जनता को फीता काटने वाला नहीं बल्कि आधारशिला रखने वाले नेतृत्व को चयनित करने की आवश्यकता है।

कांग्रेस ने फिर उठाया महताब को प्रोटेम स्पीकर पद दिए जाने का मुद्दा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर उठे विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा सांसद रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी को दरकिनार कर भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर पद के लिए क्यों चुना गया। उन्होंने कहा कि जिगाजिनागी भी लगातार सातवीं बार सांसद बने हैं। बता दें कि कांग्रेस ने सरकार पर आठ बार लोकसभा सदस्य रहे कोडिकुन्निल सुरेश की जगह सात बार सांसद रहे भाजपा के भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर चुनकर संसदीय मानदंडों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि नियमों के अनुसार सबसे वरिष्ठ सांसद सुरेश को इस पद पर नियुक्त किया जाना चाहिए था। उन्होंने लिखा कांग्रेस के कोडिकुन्निल सुरेश अपने आठवें कार्यकाल में हैं और उन्हें प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जाना चाहिए था। लेकिन सुरेश की जगह भाजपा के भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। कांग्रेस नेता ने सवाल पूछा कि भाजपा सांसद रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी के नाम पर विचार क्यों नहीं किया गया? जो लगातार सातवीं बार सांसद हैं, क्या इसलिए कि जिगाजिनागी भी सुरेश की तरह दलित हैं

पिछले 10 साल के 'अघोषित आपातकाल' को भूल गए प्रधानमंत्री मोदीः खरगे

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने 50 साल पहले के आपातकाल का जिक्रकिया, लेकिन पिछले 10 वर्षों के उस 'अघोषित आपातकाल' को भूल गए जिसका जनता ने इस लोकसभा चुनाव में अंत कर दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि देश को उम्मीद थी कि संसद सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नीट एवं अन्य परीक्षओं में 'पेपर लीक' जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलेंगे, लेकिन उन्होंने मौन साध लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को लोकतंत्र पर लगा 'काला धब्बा' करार देते हुए सोमवार को कहा कि इसकी 50वीं बरसी के मौके पर देशवासी यह संकल्प लें कि भारत में फिर कभी कोई ऐसा कदम उठाने की हिम्मत नहीं करे। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत के अवसर पर संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह बात कही।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी जी अपने रस्मी संबोधन में आज ज़रुरत से ज़्यादा बोले। इसे कहते हैं, रस्सी जल गई, बल नहीं गया।'' उन्होंने कहा, ''देश को आशा थी कि मोदी जी महत्वपूर्ण मुद्दों पर कुछ बोलेंगे। नीट व अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के बारे में युवाओं के प्रति कुछ सहानुभूति दिखाएंगे, पर उन्होंने अपनी सरकार की धांधली व भ्रष्टाचार के बारे में कोई ज़िम्मेदारी नहीं ली। हाल ही में हुई पश्चिम बंगाल की रेल दुर्घटना के बारे में भी मोदी जी मौन साधे रहे।''

खरगे ने दावा किया, ''मणिपुर पिछले 13 महीनों से हिंसा की चपेट में है, पर मोदी जी न वहां गए और ना ही उन्होंने आज के अपने भाषण में ताज़ा हिंसा के बारे में कोई चिंता व्यक्त की है। असम व पूर्वोत्तर में बाढ़ हो, कमरतोड़ महँगाई हो, रुपये का गिरना हो, एग्जिट पोल–स्टॉक बाजार घोटाला हो– अगली जनगणना

लंबे समय से मोदी सरकार ने लंबित रखी है, जातिगत जनगणना पर भी मोदी जी बिलकुल चुप थे।''

उन्होंने कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी, आप विपक्ष को नसीहत दे रहे हैं। 50 साल पुराने आपातकाल की याद दिला रहे हैं, पिछले 10 साल के अघोषित आपातकाल को भूल गए जिसका जनता ने अंत कर दिया।''

कांग्रेस अध्यक्ष का कहना था कि लोगों ने मोदी जी के ख़िलाफ़ जनमत दिया है, इसके बावजूद अगर वो प्रधानमंत्री बन गए हैं तो उन्हें काम करना चाहिए।

खरगे ने कहा, ''विपक्ष व 'इंडिया जनबंधन' संसद में सहमति चाहता है, हम जनता की आवाज़ सदन, सड़क और सभी के समक्ष उठाते रहेंगे। हम संविधान की रक्षा करेंगे। लोकतंत्र ज़िंदाबाद!''

प्रधानमंत्री के 'देश के नाम संदेश' में कुछ नया नहीं था, भटकाने वाली बातें थी : कांग्रेस

कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद से बाहर 'देश के नाम संदेशश दिया और उन्होंने सिर्फ विषय से ध्यान भटकाने वाली बातें कीं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, '18वीं लोकसभा का कार्यकाल शुरू हो रहा है। इस अवसर पर जैसा कि सामान्य रूप से होता है, लोकसभा चुनाव में ज़बरदस्त व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करने वाले नॉन–बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने संसद के बाहर 'देश के नाम संदेश' दिया।'

उन्होंने आरोप लगाया, 'अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कुछ भी नया नहीं कहा। हमेशा की तरह उन्होंने विषय से ध्यान भटकाने वाली बातें कहीं। उनकी बातों से ऐसा लगा ही नहीं कि वह सही मायने में जनादेश का अर्थ समझ रहे हैं झ वह वाराणसी में भी संदिग्ध एवं संकीर्ण अंतर से जीते हैं।'

रमेश ने कहा कि वह किसी भी तरह के भ्रम में न रहें क्योंकि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') उनसे पूरे कार्यकाल का हिसाब लेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री पूरी तरह से बेनक़ाब हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन, सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि देश की जनता विपक्ष से संसद की गरिमा बनाए रखने की उम्मीद करती है ना कि 'नखरे, ड्रामा, नारेबाजी और व्यवधान' की। उन्होंने कहा कि देश को एक अच्छे और जिम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता है। मोदी ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों से इस सत्र का उपयोग जनहित में करने का आह्वान भी किया। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना अधिक काम करेगी।

संविधान की प्रति लेकर संसद पहुंचे विपक्षी सांसद

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के कई घटक दलों के नेता 18वीं लोकसभा की बैठक के पहले दिन सोमवार को संविधान की प्रति लेकर संसद पहुंचे और कहा कि वे संविधान की रक्षा करेंगे।

कांग्रेस के अलावा द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। उन्होंने 'संविधान की रक्षा हम करेंगे' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने विपक्षी सांसदों की नारेबाजी का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हम लोकतंत्र के प्रहरी हैं। हम संविधान की रक्षा करने और उसे कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अन्याय के खिलाफ लड़ने के अपने संकल्प में एकजुट हैं।'

उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आशीर्वाद लेकर और संसद में लोगों के मुद्दों, चुनौतियों, आशाओं और आकांक्षाओं को आवाज देने और सरकार को हर मिनट नियंत्रण में रखने के नए संकल्प के साथ 18वीं लोकसभा में प्रवेश करता है। हालिया लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संविधान को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। उनका आरोप था कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है।

बुधनी सीट पर कांग्रेस की नजर उपचुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

जयवर्धन ने बनाई रणनीति

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

भोपाल। कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गढ़ बुधनी विधानसभा में उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. दरअसल, शिवराज चौहान के बुधनी विधानसभा से इस्तीफे के बाद बुधनी विधानसभा सीट रिक्त हो गई है. यहां जल्द ही उपचुनाव कराये जा सकते हैं. ऐसे में कांग्रेस सक्रिय हो गई है और चुनावों की तैयारी में जुट गई है. बुधनी विधानसभा प्रभारी जयवर्धन सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ उपचुनाव को लेकर रणनीति बनाई.

बुधनी विधानसभा को लेकर प्रभारी बनाए गए कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह और इछावर के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल रविवार को बुधनी विधानसभा क्षेत्र के सलकनपुर पहुंचे. कांग्रेस नेताओं ने मंदिर में पूजा–अर्चना की. इसके बाद उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली. इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे.

जयवर्धन सिंह ने ली कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक: दिग्विजय सिंह के बेटे और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह और इछावर के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल को बुधनी का प्रभारी बनाया गया है. उन्होंने बुधनी विधानसभा के अंतर्गत आने वाले रेहटी और भेरूंदा में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की बैठक ली और चुनावी रणनीति तैयार की.

महिलाओं पर कांग्रेस का फोकस: जयवर्धन सिंह ने कहा कि लाडली बहना योजना के बाद हम सबको काम करने का तरीका बदलना होगा. हम मतदाता पुरुषों को नाम से पहचानते हैं, लेकिन महिलाओं को नहीं जानते. मैंने खुद ने अपने विधानसभा क्षेत्र में तय किया है कि आने वाले 5 सालों में हर मतदान केंद्र पर महिलाओं का संगठन खड़ा करना होग. इसी बैठक में दो–दो महिलाएं पहुंची, यही स्थिति पूरे प्रदेश में है. लेकिन हमें तय करना है कि हर बैठक में महिलाओं की सहभागिता ज्यादा से ज्यादा हो.

धन–बल के आधार पर लूटते हैं जनमत– जयवर्धन: जयवर्धन सिंह ने कहा कि जो भी सरकारी प्रक्रिया है उसमें खेल और घोटाले करेंगे, यह उनकी साजिश होती है. 17 साल से देख रहे हैं हर पद पर इनके लोग बैठते हैं. बुधनी में उनके चाहते बड़े सेठ लोगों को हर चीज ठेके दे दिए जाते हैं. वही पैसे बांटते हैं यही लोग सब कुछ चला रहे हैं. धन बल के आधार पर जनमत को लूटने का कार्य करते हैं.

जयवर्धन सिंह की चुनावी रणनीति: जयवर्धन सिंह ने कहा कि हमने तय किया है कि जहां जहां हमें कम वोट मिल रहे हैं, वहां जाकर लोगों से स्वयं चर्चा करेंगे. आने वाले समय में हमारी स्थिति बेहतर हो, इसके लिए हमें जमीन स्तर पर काम करना होगा. उत्तर प्रदेश का मतदाता जागरूक है, वह राजनीति को समझता है, लेकिन मध्य प्रदेश का मतदाता राजनैतिक नहीं है. प्रधानमंत्री मोदी और शिवराज सिंह चौहान की बातों को समझ नहीं पाता है.

एक–एक मतदान केंद्र तक पहुंचना है: जयवर्धन सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मंडल सेक्टर तक नहीं, एक–एक मतदान केंद्र तक पहुंचना है. 2023 के चुनाव में हमें बेहतर परिणाम और सरकार बनने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया. लोकसभा चुनाव में यूपी, राजस्थान सब जगह कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मध्य प्रदेश में अच्छे परिणाम नहीं मिले.

कौन सा कैंडिडेट उतारे, इस पर कांग्रेस सांसद बृजमोहन अग्रवाल से लेगी सलाहः शिव डहरिया

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ की रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से बृजमोहन अग्रवाल के विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद आगामी समय में उपचुनाव होना है. कांग्रेस और भाजपा किसे अपना उम्मीदवार बनाएं, इस पर भी चर्चा तेज है. इस बीच पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया के बयान के बाद राजनीतिक सरगरमी भी तेज हो गई हैं. शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि कौन सा कैंडिडेट उतारे, इस पर कांग्रेस सांसद बृजमोहन अग्रवाल से सलाह लेगी. दरअसल, रायपुर दक्षिण से कौन सा कैंडिडेट उतारे इस पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया ने कहा कि इस पर कांग्रेस सांसद बृजमोहन अग्रवाल से सलाह लेगी. बृजमोहन अग्रवाल दुखी हैं, उन्हें केंद्र में मंत्री नहीं बनाया गया, इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को मिलेगा. रायपुर दक्षिण से लगातार 8 बार विधायक का चुनाव जीत चुके बृजमोहन अग्रवाल के पास साय सरकार में शिक्षा के साथ संस्कृति और पर्यटन विभाग की जिम्मेदारी थी.

अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से राजनीति में सक्रिय विधायक के तौर पर लंबे समय तक रायपुर दक्षिण की जनता का प्रतिनिधित्व करते रहे बृजमोहन अग्रवाल अब पूरे रायपुर का प्रतिनिधित्व लोकसभा में करेंगे. बता दें कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय को बड़े वोटों के अंतर से हराया है. बृजमोहन अग्रवाल ने 1050351 और विकास उपाध्याय ने 475066 वोट हासिल किए. इस तरह बृजमोहन 5 लाख 75 हजार 285 मतों से विजयी हुए.

कांग्रेस का भाजपा पर पलटवार, कहा- भाजपा उड़ा रही संविधान की धज्जियां

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर पलटवार किया। कहा कि देश में शैक्षणिक आपातकाल लगा हुआ है। भाजपा संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगी हैं और बाबूलाल मरांडी कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर लगाये गये आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि देश की जनता ने संविधान की रक्षा के नाम पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को वोट दिया। इसमें कांग्रेस कभी पीछे नहीं रहेगी। देश के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का दायित्व भरोसा करके जनता ने हम पर पर सौंपा है, उनके भरोसे को कायम रखने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में संघर्ष सदन के अंदर से सदन के बाहर तक जारी है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों का सहारा लेकर विपक्ष के नेताओं को जेल भेजने का काम लगातार जारी है। परीक्षाएं रद्द हो रही हैं। झारखंड में होने वाले चुनाव में भी भाजपा औंधे मुंह गिरेगी।

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर दिल्ली में बैठक

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में बैठक हुई।

बैठक में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनायी गयी। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर शामिल थे। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड के जल, जंगल, जमीन और जनजाति समाज सहित सभी वर्गों के अधिकारों के प्रति समर्पित है। इखढ ने षडयंत्रकारी राजनीति कर झारखंड की अस्मिता का अपमान किया है।

आनेवाला विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता को जनता के बीच रहना है। सामाजिक न्याय और सहभागिता के लिए हमसभी प्रतिबद्ध है। झारखंड के नेताओं के साथ आनेवाला विधानसभा चुनाव को लेकर चुनावी रणनीति पर विचार-विमर्श किया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, केन्द्रीय महासचिव डॉ अजय कुमार, प्रणव झा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, सांसद सुखदेव भगत, सांसद कालीचरण मुण्डा, पूर्व सांसद डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू, फूरकान अंसारी, सुबोधकांत सहाय, विधायक प्रदीप यादव, दीपिका पाण्डेय सिंह, गीताश्री उरांव, अभिजीत राज, गुंजन सिंह शामिल थे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने दी।

दिल्ली में झारखंड विधानसभा की हर सीट पर होगी चर्चा: राजेश ठाकुर

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

सोमवार को झारखंड विधानसभा चुनावको लेकर कांग्रेस की दिल्ली में बैठक होगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष, कांग्रेस कोटे के मंत्री सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि कांग्रेस की बैठक में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए हर सीट पर चर्चा होगी।

किन जनहित के मुद्दों पर आगामी विधानसभा चुनाव में जनता के बीच जाया जाए, ये तय किए जाएंगे। झारखंड की महागठबंधन सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच कैसे पहुंचाया जाए, ताकि विपक्ष द्वारा किसी भी तरह जनता को बरगलाया ना जा सके, इस पर रणनीति बनेगी।

राहुल गांधी का झारखंड से विशेष लगाव: राजेश ठाकुर ने कहा कि 2019 के और वर्तमान चुनावी हालात पर चर्चा कर आगामी चुनाव के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। घोषणा पत्र सहित सारे समीकरणों, गठबंधन दलों के साथ संवाद और समन्वय की रणनीति पर चर्चा होगी। झारखंड में चार महीने के बाद विधानसभा का चुनाव है। राहुल गांधी का झारखंड से विशेष लगाव रहा है। झारखंड में होने वाले चुनाव पर उनकी गंभीर नजर है। लोकसभा चुनाव में झारखंड में मिली सफलता से उनमें एक विश्वास है कि राज्य में फिर से महागठबंधन की सरकार भारी बहुमत से बनेगी।

एनडीए सरकार को पहले 15 दिनों में इन 10 मुद्दों पर घेरेगा विपक्ष, राहुल गांधी ने बता दी लिस्ट

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

18 वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरु हो गया है। विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए तैयार है। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पिछले 15 दिनों की बड़ी घटनाओं को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, 'क्ठउक्कअ का मज़बूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज उठाएगा।

राहुल गांधी ने साधा पीएम मोदी

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, 'ठउअ के पहले 15 दिन!

1. भीषण ट्रेन दुर्घटना।
2. कश्मीर में आतंकवादी हमले।
3. ट्रेनों में यात्रियों की दुर्दशा।
4. NEET घोटाला।
5. NEET PG निरस्त।
6. UGC NET का पेपर लीक।
7. दूध, दाल, गैस, टोल और महंगे।
8. आग से धधकते जंगल।
9. जल संकट।
10. हीट वेव में इंतजाम न होने से मौतें।

उन्होंने आगे कहा, 'मानसिक रूप से बैकफुट पर नरेंद्र मोदी बस अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। नरेंद्र मोदी जी और उनकी सरकार का संविधान पर आक्रमण हमारे लिए एक्सेप्टेबल नहीं है और ये हम किसी हाल में होने नहीं देंगे। INDIA का मज़बूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज़ उठाएगा और प्रधानमंत्री को बिना जवाबदेही बच कर निकलने नहीं देगा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है और वो हम नहीं होने देंगे इसलिए हमने शपथ लेते समय संविधान पकड़ा था। हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती।

नीट पेपर लीक मामले में ठरवक्का दिल्ली में प्रदर्शन, झारखंड से आरुषि वंदना ने लिया हिस्सा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रांची। नीट पेपर लीक और परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ दिल्ली जंतर मंतर में ठरवकी ओर से छात्र संसद घेराव का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड से आरुषि वंदना ने भाग लिया एवं प्रदर्शन किया। मौके पर उग्र प्रदर्शन देख प्रशासन ने लाठी चार्ज कर दिया और छात्रों को गिरफ्तार किया। हालाकि छात्रों को देर शाम तक रिहा कर दिया गया है। आरुषि वंदना ने कहा कि जब तक नीट अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिल जाता है, तब तक ठरवकसड़क से लेकर सदन के गलियारों तक संघर्ष करती रहेगी। कहा, हमारी मांग है कि नीट छात्रों को पुनः परीक्षा कराकर न्याय दिया जाये। ठळअ जैसी भ्रष्टाचारी संस्था को बैन किया जाए।

शिक्षा मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट: इधर, बिहार एडव की टीम ने नीट पेपर लीक की जांच रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को सौंप दिया है। इसमें ईओयू द्वारा खुलासा किया गया है कि 4 मई को बिहार–झारखंड के 100 छात्रों को पेपर मिल गया था। इसके बाद पटना में खेमनीचक स्थित लर्न एंड प्ले स्कूल में, बाईपास के पास एक होटल में और झारखंड के कुछ शहरों में छात्रों को सवाल जवाब के साथ रटवाए थे। इसके बाद परीक्षा माफिया ने ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक भिजवाया था।

सीबीआई कर रही जांच: बता दें कि 4 जून 2024 को नीट 2024 का परिणाम आने के बाद से ही यह चर्चा में है। दरअसल एक साथ 67 बच्चे टॉप करने और कुछ को ग्रेस मार्क्स गए। उन्हें पूरे 720 में से 720 नंबर मिले। जिसके बाद से परीक्षा का विरोध जारी है। अब मामले को सीबीआई को हैड ओवर कर दिया गया है। रविवार को सीबीआई ने इस मामले में पहला एफआईआर दर्ज किया। इसके बाद बिहार पहुंच कर बिहार ईओयू की टीम से अबतक किए गए जानकारी की पूरी जानकारी ली।

राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष के ऑफर पर क्या बोले जीजा रॉबर्ट वाड्रा, पीएम के इमरजेंसी पर दिए बयान पर भी दी प्रतिक्रिया

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष के ऑफर पर जीजा रॉबर्ट वाड्रा ने प्रतिक्रिया दी है। साथ ही वाड्रा ने ढट के इमरजेंसी पर दिए बयान पर भी अपनी राय दी है। बता दें कि कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया गया है। इस पर कारोबारी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, ₹मैं राहुल गांधी को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं, लगभग अपने भाई की तरह। मैं जानता हूं कि वह जो भी करते हैं, उसमें अपना दिल, दिमाग और आत्मा लगाते हैं। और मुझे लगता है कि वह विपक्ष के नेता होने की जिम्मेदारी समझते हैं। विपक्ष के नेता के रूप में, वह बीजेपी को उनकी हर योजना पर चुनौती देंगे।₹

पीएम पर साधा निशाना: आपातकाल पर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, ₹.यह संसद का पहला दिन है, इसकी शुरुआत सकारात्मक तरीके से होनी चाहिए। आपातकाल जैसी नकारात्मक बात को सामने लाना या गांधी परिवार, इंदिरा जी और नेहरू जी के प्रति पूर्वाग्रह होना सही नहीं लगता। मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री इन सब से फिलहाल निकल पायेंगे। मुझे लगता है कि उन्हें इस एक काले दिन के बजाय अच्छे समय पर विचार करना चाहिये। मेरे विचार से यह स्थिति दुखद है कि प्रधानमंत्री के पास भारत के लिए एक नकारात्मक दृष्टिकोण वाली सोच है। हमें देश के लिए सकारात्मक चीजों, प्रगतिशील चीजों के बारे में बात करनी चाहिए।

देश में शैक्षणिक आपातकाल लगा है, बीजेपी उड़ा रही संविधान की धज्जियां :कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रांची: झारखंड कांग्रेस ने कहा कि देश में शैक्षणिक आपातकाल लगा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगी है। इधर, बाबूलाल मरांडी कांग्रेस पर ही उलटा आरोप लगा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बाबूलाल मरांडी द्वारा कांग्रेस और राहुल गांधी पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि देश की जनता ने संविधान की रक्षा के नाम पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को वोट दिया है। इसमें कांग्रेस कभी पीछे नहीं रहेगी। देश के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का दायित्व भरोसा करके जनता ने हम पर पर सौंपा है। उनके भरोसे को कायम रखने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में संघर्ष सदन के अंदर से सदन के बाहर तक जारी है। सोनाल शांति ने कहा कि लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर पद पर वरीय सांसद की नियुक्ति न कर मोदी जी ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। बाबूलाल

मरांडी को इस मामले में थोड़ा ज्ञान प्रधानमंत्री को भी देना चाहिए। लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई राज्य सरकारों को खरीद– फरोख्त के माध्यम से बदलने वाली बीजेपी के नेता अपना गिरेबान बचाने के लिए कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश अभी इमरजेंसी के हालात से गुजर रहा है फर्क यह है कि औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। जांच एजेंसियों का सहारा लेकर विपक्ष के नेताओं को जेल भेजने का काम लगातार जारी है। परीक्षाएं रद्द हो रही हैं। देश मे पेपर लीक श्रृंखलाबद्ध चरणों में जारी है। इसे लेकर छात्र सड़कों पर हैं। युवा रोजगार के लिए सड़कों पर हैं। महिलायें न्याय के लिए सड़कों पर हैं। किसान न्याय के लिए आंदोलन कर रहे हैं यही वजह है कि जनता ने बीजेपी को बहुमत नहीं दिया। झारखंड में होने वाले चुनाव में भी बीजेपी औधे मुंह गिरेगी क्योंकि बाबूलाल मरांडी विफल नेतृत्व का रिकॉर्ड बना चुके हैं।

विपक्ष ने संसद भवन परिसर में किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज सोमवार (24 जून) को शुरू हुआ। सत्र की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से हुई। विपक्ष ने पहले सत्र की शुरुआत संसद के बाहर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन से की। आईएनडीआईए के नेताओं ने संविधान की कॉपी लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी सहित विपक्ष के अन्य सांसदों ने संविधान की कापी लेकर मार्च निकाला। प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संविधान बचाने के लिए जो कोशिश हमने की थी, उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की, इसलिए आज यहां पर हम एकत्रित होकर विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शन को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, 'हम इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति की गई है, वह संवैधानिक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है।'

कांग्रेस पार्टी की रीति–नीति से प्रभावित होकर निरंतर लोग कांग्रेस परिवार से जुड़ रहे हैं

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

न्याय योद्धा श्री राहुल गांधी जी के आदर्श सिद्धांतों एवं कांग्रेस पार्टी की रीति–नीति से प्रभावित होकर निरंतर लोग कांग्रेस परिवार से जुड़ रहे हैं। आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री **Devender Yadav** जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष वाल्मीकि सेना एवं भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष एससी मोर्चा मोहनी चंदेल जी, गोपाल चंदेल जी, राजेंद्र भगवाने जी, आज़ाद बागड़ी जी को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस मौक़े पर साथ में चत्तर सिंह जी, संजय प्रधान जी, अनिल चुड़ियाना जी, राहुल टाँक जी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों का कांग्रेस परिवार में हृदय से स्वागत है।

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच चिंता में कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

लोकसभा चुनाव का ही नहीं, 2019 का प्रदर्शन दोहराने की है बड़ी चुनौती

अपनी सीटें बचा ले गयी कांग्रेस, तो यही उसकी बड़ी कामयाबी मानी जायेगी

13.88 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करना भी कांग्रेस के लिए नहीं होगा आसान

नमस्कार। आजाद सिपाही विशेष में आपका स्वागत है। मैं हूं राकेश सिंह।

लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद अब झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गयी हैं। राजनीतिक दलों के भीतर इसको लेकर रणनीति बनायी जाने लगी है। झारखंड में विधानसभा का चुनाव लोकसभा के चुनाव से पूरी तरह अलग होगा, क्योंकि लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा के नेतृत्व में एनडीए लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में जुटी थी, वहीं विधानसभा चुनाव में झामुमो के नेतृत्व में कांग्रेस, राजद और वाम दलों का इंडिया गठबंधन लगातार दूसरी बार सत्ता पाने की कोशिश में जुटेगा। इस तरह लोकसभा चुनाव में जहां एनडीए रक्षात्मक मुद्रा में था, वहीं इस बार इंडिया गठबंधन रक्षात्मक मुद्रा में होगा। जहां तक इंडिया गठबंधन की रणनीति की बात है, तो सीट शेयरिंग और दूसरे मुद्दों पर इसके घटक दलों के बीच किसी मतभेद की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस के सामने है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में सात सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे और दो सीटों पर जीत हासिल की थी। विधानसभा क्षेत्रों की बात करें, तो पार्टी ने 13 क्षेत्रों में बढ़त हासिल की थी। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में कुल 13.88 प्रतिशत वोट हासिल किये थे और इस बार के विधानसभा चुनाव में उसके सामने इस प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती है। कांग्रेस के भीतर के वर्तमान माहौल और उसकी संगठनात्मक स्थिति के अलावा पार्टी की रणनीति को देख कर तो यही लगता है कि कांग्रेस को इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। टिकट बंटवारे से लेकर चुनाव प्रबंधन तक में उसे अपना सब कुछ झोंकना होगा।

लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गयी है। तमाम दलों ने अपनी–अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने के साथ सीट शेयरिंग जैसे मुद्दों पर विचार शुरू कर दिया है। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बेदखल कर सत्तारूढ़ हुए झामुमो के नेतृत्व वाले महागठबंधन के भीतर भी विधानसभा चुनाव को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। लेकिन सबसे अधिक सक्रिय कांग्रेस है। कांग्रेस के सामने एक तरफ जहां 2019 के विधानसभा चुनाव का प्रदर्शन दोहराने की चुनौती है, वहीं लोकसभा चुनाव में उसे मिली कामयाबी को बरकरार रखने का भी चैलेंज है।

क्या हुआ लोकसभा चुनाव में

इसी महीने संपन्न लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14 में से पांच सीटों पर इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की। इनमें तीन सीटें झामुमो ने और दो सीटें कांग्रेस ने जीतीं। जहां तक प्रत्याशी उतारने की बात है, तो कांग्रेस ने सात, झामुमो ने पांच और राजद और भाकपा माले ने एक–एक सीट पर प्रत्याशी उतारा था। 4 जून को जब परिणाम आया, तब यह बात सामने आयी कि झामुमो को 13 और कांग्रेस को 15 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल हुई। जहां तक सामान्य सीटों पर बढ़त की बात है, तो कांग्रेस को दो और झामुमो को तीन सामान्य सीटों पर बढ़त हासिल हुई। झारखंड कांग्रेस ने यह कह कर लोकसभा चुनाव परिणाम को ऐतिहासिक बताया कि 20 साल बाद कांग्रेस को राज्य में दो सीटें मिली हैं। यह उसके लिए बड़ी कामयाबी है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जिन विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली, उनमें गुमला (एसटी), बिशुनपुर (एसटी), लोहरदगा (एसटी), खरसावां (एसटी), तमाड़ (एसटी), मांडर (एसची), तोरपा (एसटी), खूंटी (एसटी), सिसई (एसटी), सिमडेगा (एसटी), कोलेबिरा (एसटी), खिजरी (एसटी), मनिका (एससी), मधुपुर और महागामा जेनरल सीटें शामिल हैं।

क्या हुआ था 2019 के विधानसभा चुनाव में

2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत हासिल की थी। बाद में दो विधायक, प्रदीप यादव (पोड़ैयाहाट) और बंधु तिर्की (मांडर) कांग्रेस में शामिल हो गये, तो उसके विधायकों की संख्या 18 हो गयी। लेकिन रामगढ़ की सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस यह सीट गंवा बैठी और इस तरह झारखंड की पांचवीं विधानसभा में उसके विधायकों की संख्या 17 रह गयी। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मांडू के जयप्रकाश भाई पटेल जरूर उसमें शामिल हो गये, लेकिन फिलहाल यह साफ नहीं है कि विधानसभा में उनकी स्थिति क्या है। जहां तक वोट प्रतिशत का सवाल है, तो 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 13.88 प्रतिशत वोट मिले थे।

कांग्रेस के सामने क्या है चुनौती

कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव में 33 सीटों पर प्रत्याशी उतारने का मन बनाया है। सीट शेयरिंग के लिहाज से यह बहुत मुश्किल नहीं है, क्योंकि झामुमो भी करीब 35 सीटों पर उम्मीदवार दे सकता है। बाकी सीटें राजद और वाम दलों के लिए छोड़ी जा सकती हैं। कांग्रेस ने इस पर विचार के लिए दिल्ली में बैठक भी बुलायी है। कांग्रेस को पिछले विधानसभा चुनाव में 31 सीटें मिली थी, जबकि झामुमो के हिस्से में 43 सीटें आयी थीं। कांग्रेस का दो अधिक सीटों पर दावा पिछले विधानसभा चुनाव के बाद बदली परिस्थितियों के कारण है। मांडू के भाजपा विधायक जेपी पटेल कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं, जबकि पोड़ैयाहाट से पिछले विधानसभा चुनाव में झाविमो के टिकट पर लड़ने वाले प्रदीप यादव भी कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं। वह विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता भी हैं। इसलिए इन दोनों सीटों पर कांग्रेस दावा कर रही है।

कांग्रेस को इन सीटों पर करनी होगी मेहनत

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जिन सीटों पर मेहनत करनी होगी, उनमें से अधिकांश सामान्य सीटें हैं। इनमें जमशेदपुर पश्चिम, बरही, बड़कागांव, बेरमो, झरिया और पोड़ैयाहाट शामिल हैं। इनके अलावा लातेहार (एससी) में भी कांग्रेस लोकसभा चुनाव में पिछड़ गयी थी।

झारखंड कांग्रेस में अंतरकलह

झारखंड में लोकसभा की दो सीटों पर जीत हासिल करने के बावजूद प्रदेश कांग्रेस में अंतरकलह कम नहीं हुआ है। प्रदेश नेतृत्व से असंतुष्ट खेमे का कहना है कि सात में से पांच सीटों पर कांग्रेस की हार हुई है। यह बहुत अच्छी स्थिति नहीं है। इसलिए प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की मांग एक बार फिर तेज होने लगी है। पिछले दिनों पार्टी की ओर से बुलायी गयी विस्तारित कार्यसमिति की बैठक से लेकर कांग्रेस विधायक दल की बैठक तक में प्रदेश प्रभारी की उपस्थिति में यह मुद्दा जोरशोर से उठाया गया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के साथ–साथ कई आदिवासी विधायकों और मंत्रियों ने विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कमेटी में बदलाव की बात कही। बंधु तिर्की ने तो सात में से पांच सीट गंवाने की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से इस्तीफे तक की मांग कर दी।इन तमाम परिस्थितियों के बीच अब यह साफ हो गया है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों में कांग्रेस की स्थिति ठीक नहीं है। वैसे अभी चार–पांच महीने का समय है, लेकिन यदि इस दौरान पार्टी नेतृत्व ने इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया, तो उसके लिए 2019 का प्रदर्शन तो दूर की बात, लोकसभा चुनाव का प्रदर्शन दोहराना भी मुश्किल हो जायेगा।

झारखंड कांग्रेस में अंतरकलह

झारखंड में लोकसभा की दो सीटों पर जीत हासिल करने के बावजूद प्रदेश कांग्रेस में अंतरकलह कम नहीं हुआ है। प्रदेश नेतृत्व से असंतुष्ट खेमे का कहना है कि सात में से पांच सीटों पर कांग्रेस की हार हुई है। यह बहुत अच्छी स्थिति नहीं है। इसलिए प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की मांग एक बार फिर तेज होने लगी है। पिछले दिनों पार्टी की ओर से बुलायी गयी विस्तारित कार्यसमिति की बैठक से लेकर कांग्रेस विधायक दल की बैठक तक में प्रदेश प्रभारी की उपस्थिति में यह मुद्दा जोरशोर से उठाया गया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के साथ–साथ कई आदिवासी विधायकों और मंत्रियों ने विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कमेटी में बदलाव की बात कही। बंधु तिर्की ने तो सात में से पांच सीट गंवाने की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से इस्तीफे तक की मांग कर दी।इन तमाम परिस्थितियों के बीच अब यह साफ हो गया है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों में कांग्रेस की स्थिति ठीक नहीं है। वैसे अभी चार–पांच महीने का समय है, लेकिन यदि इस दौरान पार्टी नेतृत्व ने इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया, तो उसके लिए 2019 का प्रदर्शन तो दूर की बात, लोकसभा चुनाव का प्रदर्शन दोहराना भी मुश्किल हो जायेगा।